अर्जित पुण्य को समाप्त करती है अहंकार भाव – सोलंकी

समाज सेवकों के लिए महासम्मेलन एवं मेडिटेशन रिट्रीट का राज्यपाल ने किया उद्घाटन

आबू रोड, निसं। हरियाणा एवं पंजाब के राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि समाज सेवा एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा भगवान का प्यार और शक्ति मिलती है। समाज सेवा द्वारा हम जीवन में पुण्य अर्जित कर सकते हैं। यह सेवा नर को नरायण बनाने वाली है।

सोलंकी ब्रह्माकुमारीज़ के समाज सेवा प्रभाग द्वारा देश तथा विदेश के समाजसेवियों के लिए, समाज सेवा द्वारा परमात्म प्यार व शक्ति की अनुभूति विषय पर आयोजित सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें स्वयं के सुख की परवाह न करते हुए दूसरों की सेवा में सदा तत्पर रहना चाहिए। तभी हमें सेवा का फल मिलता है। हमें सेवा को अपना कर्त्तव्य समझकर करना चाहिए। शांति व सहिष्णुता भारत की पहचान है। इसके आधार पर ही भारत पुन: विश्वगुरू बनेगा। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही समाज सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था अंग्रेजों के साम्राज्य से भी ज्यादा व्याप्त है एवं भारत की गौरवशाली संस्कृति को विदेशों में फैलाने का कार्य किया है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि हम चाहे किसी भी पद पर क्यों न हो लेकिन हमारे अंदर अहंकार की भावना नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का प्रधानमंत्री भी यही कहता है हम एक समाज सेवक है। यहां मेरा कुछ भी नहीं है। यही भाव हर व्यक्ति के अंदर हो तो देश जल्द ही विकास की ऊंचाईयों को छू लेगा। सच्ची सेवा करने से जीवन में वैल्यूज और गुणों का समावेश होता है।

स्वयं की बुराईयों को दूर करना ही सच्ची समाज सेवा

संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि स्वयं के अंदर व्याप्त बुराईयों को दूर करना ही सच्ची समाज सेवा है। हमें सदा मुस्कुराते हुए दूसरों की सेवा करनी चाहिए। जीवन में सुख और शांति प्राप्त करने के लिए सच्चाई और सफाई का होना बहुत ही आवश्यक है। ये गुण हमें परमात्मा का प्यारा बना देती है। सेवा तो सभी करते हैं लेकिन परमात्मा की याद में नि:स्वार्थ भाव से की गई सेवा हमें उसका कई गुणा रिटर्न देती है। संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि आज व्यक्ति स्वयं को न जानने के कारण ही स्वयं से दूर तो हुआ ही साथ ही वह समाज से भी दूर होता चला गया। प्यार व स्नेह के आधार पर ही हम समाज सेवा कर सकते हैं। हमें नि:स्वार्थ भाव व स्नेह से मुस्कुराते हुए सेवा करनी चाहिए। इसके द्वारा ही हम सभी को परमात्मा के प्यार व स्नेह की अनुभूति करा सकते हैं।

इस कार्यक्रम को प्योरिटी के संपादक बीके बृजमोहन, समाज सेवा प्रभाग के वाइस चेयरपर्सन बीके अमीरचंद, गुलबर्गा के बीके प्रेम, माउण्ट आबू के बीके अवतार ने भी संबोधित किया।

सच्ची सेवा की कोई कीमत नहीं होती

इससे पूर्व स्वागत सत्र को संबोधित करते हुए लायंस इंटरनेशनल नेपाल के गवर्नर भूगोल श्रीचन एवं रोटरी इंटरनेशनल के पूर्व गवर्नर के.के.झोरी ने कहा कि जो दुआ दिल से निकलती है उसकी कोई कीमत नहीं होती है। दिल से की गई सेवा हमें सर्व का प्यारा बना देती है। यदि हम स्वयं को परिवर्तन करने की कोशिश करें तो हम जीवन में बहुत कुछ प्राप्त कर सकते हैं। हमें यहां से यह प्रेरणा मिली कि जीवन के प्रत्येक क्षण में परमात्मा को अवश्य ही याद करना चाहिए। सुनाम के रोटरी इंटरनेशनल के पूर्व गवर्नर डॉ.एस.पी.सिंगला ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ इंसान को अच्छा बनाने की सेवा कर रही है। यहां दिए जा रहे ज्ञान से मन में परिवर्तन आने लगता है।

इस कार्यक्रम को समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके अवतार, महाराष्ट्र जोन की निदेशिका बीके संतोष, दिल्ली की राजयोग शिक्षिका बीके सुंदरी एवं बीके आशा ने भी संबोधित किया।